भारत सरकार

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 4062

शुक्रवार 19 मार्च, 2021 को उत्तर देने के लिए

महिलाओं के लिए किरण कार्यक्रम

4062. श्री धर्मेन्द्र कश्यप:

क्या **विज्ञान और प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं को बढ़ावा देने के लिए नॉलेज इनवोल्वमेन्ट इन रिसर्च एडवासमेन्ट थ्री नरचरिंग (किरण) कार्यक्रम शुरू किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ग) चालू वित्त वर्ष में उक्त कार्यक्रम के लिए कितनी धनराशि आवंटित की गई है ?

उत्तर

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री और पृथ्वी विज्ञान मंत्री

(डा. हर्ष वर्धन)

(क) और (ख): जी हाँ, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने महिला समर्थकारी कार्यक्रम के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एस एंड टी) के क्षेत्र में महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए 2014-15 में 'प्रशिक्षण के माध्यम से अनुसंधान संवर्धन में ज्ञान की सहभागिता (किरण)' स्कीम प्रारम्भ की है। किरण के तहत 'महिला वैज्ञानिक स्कीम' बेरोजगार महिला वैज्ञानिकों और प्रोज्ञोगिकीविदों विशेष रूप से करियर में व्यवधान ग्रस्त महिलाओं को करियर बनाने का अवसर प्रदान करती है। महिला वैज्ञानिक स्कीम के तीन प्रमुख घटक, नामतः i) आधारभूत और अनुप्रयुक्त विज्ञान में अनुसंधान करने के लिए महिला वैज्ञानिक स्कीम -ए (डब्ल्यूओएस-ए); ii) सामाजिक लाभ के लिए एसएंडटी के बेहतरकारी उपाय को आवश्यक बनाने वाली अनुसंधान परियोजना के लिए महिला वैज्ञानिक स्कीम -बी (डब्ल्यूओएस-बी) और iii) बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आईपीआर) व्यवसायी बनाने में महिलाओं को समर्थ बनाने वाली महिला वैज्ञानिक स्कीम सी (डब्ल्यूओएस-सी) हैं । 2016-17 में कामकाजी महिला वैज्ञानिकों के पुन: स्थापन के मुद्दे का समाधान निकालने के लिए किरण के अंतर्गत गतिशीलता कार्यक्रम प्रवर्तित किया गया है। 'एसटीईएमएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरी, गणित और चिकित्सा) में महिलाओं के लिए भारत-यूएस अध्येतावृत्ति' कार्यक्रम भारतीय महिला वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और प्रोद्योगिकीविदों को यूएसए स्थित प्रमुख संस्थानों में 3-6 महीने की अवधि के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहकारी अनुसंधान करने का अवसर प्रदान करता है। किरण के अंतर्गत, एस एंड टी प्रक्षेत्र में अनुसंधान और विकास गतिविधियों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 'महिला विश्वविद्यालयों में नवाचार और उत्कृष्टता के माध्यम से विश्वविद्यालय अनुसंधान समेकन (क्यूरी)' कार्यक्रम के माध्यम से संस्थागत सहायता भी प्रदान की जाती है। 'महिलाओं के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी' स्कीम महिलाओं के मूलनिवास क्षेत्रों में उपयुक्त प्रौद्योगिकियों और उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के माध्यम से जीविका सृजन में उनको सक्षम बनाने पर केंद्रित है जिससे उनके लिए आय सृजन और जीविका के अवसर का सृजन संभव हो सका है।

डीएसटी ने स्टेम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरी और गणित) में महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उनके न्यून प्रतिनिधित्व वाले क्षेत्रों में बढ़ाने के लिए, 9वीं से 12वीं कक्षा की मेधावती छात्राओं के लिए "विज्ञान ज्योति" नामक नया कार्यक्रम शुरू किया है। डीएसटी की अन्य नई पहल 'संस्थान रूपांतरक महिला उन्नति (जीएटीआई)' को 2019-20 के दौरान शुरू किया गया है जिसका लक्ष्य संस्थानों को अधिक स्त्री संवेदी उपागम और समावेशिता की दृष्टि से रूपांतरित करना है, ताकि एस एंड टी प्रक्षेत्र में स्त्री समानता बेहतर करने का मूल उद्देश्य प्राप्त किया जा सके।

(ग) वर्तमान वित्तीय वर्ष में किरण स्कीम के लिए आवंटित निधि 95.00 करोड़ रुपए (संशोधित अनुमान) है।

****